खण्ड-II लेखक परिचय

1. श्रीनिवास पानुरी

- श्रीनिवास पानुरी जीक जनम बछर हइ - **25 दिसंबर, 1920** (07 OCt 1986)
- श्रीनिवास पानुरी जी कर जनम ठांव हइ- **बरवाअड्डा (धनबाद)**
- पानुरी जीक मायेक नाम हइ- **दुखनी देवी**
- पानुरी जीक बापेक नाम हइ- **शालीग्राम पानुरी**
- श्रीनिवास पानुरी जी कते पढ़ल हला- **मेटरिक तक**
- पानुरी जीक बाँप कउन काम करय हलय - **खेती बारी काम**
- पानुरी जीक जनीक नाम हइ - **मुर्ति देवी**
- पानुरी जीक आजा कोन ठांवे से आइके बरवाअड्डा, धनबाद बसलथिन - बेलदरी, नवादा
- कउन बछर पानुरी जी मेटरिक पास करले हला- 1939
- पानुरी जी कोन बछर से लिखेक शुरू करल हलय - 1946 (पानुरी जी पान गुमटी-1946)
- खोरठा भासाक बढ़ावे खातिर पानुरी जी काम करले रहथ- **40 बछर**
- श्रीनिवास पानुरी जीक खोरठाक बाल्मिकी कोन कहले हथिन - **रामदयाल पाण्डेय**
- श्रीनिवास पानुरी जीक अखयबोर के कहले रहथ- **शांति भारत**
- श्रीनिवास पानुरी जी के पहिल नाटक के नाम की हइ- **उद्भासल कर्ण**
- श्रीनिवास पानुरी जीक खोरठाक भीष्म पितामह के कहला - **विश्वनाथ दसौंधी राज**
- श्रीनिवास पानुरी जीक खोरठाक टैगोर के कहला- **डॉ. चर्तुभूज साहु**
- पानुरी जी कखन से खोरठा भाषा के रचना करेक सुरू करला - 1950
- पानुरी जी 'जुगेक गीता' कहले हथ- **कम्युनिष्ट मेनीफेस्टो**
- श्रीनिवास पानुरी कहां कर सलाहकार हलथ- **राँची विश्वविद्यालय**
- कोन किताब के पानुरी जी अनुवाद करले हइ- (1968) **मेघदुत, कम्युनिष्ट मेनीफेस्टो**
- मेघदूत संस्कृत भाषा के लिखत हथ- **कालीदास**
- मेघदुत अनुवाद करले हथ खोरठा में- **श्रीनिवास पानुरी**
- मेघदुत कइसन रचना लागे - **काव्य**
- रामकथामृत आर दिव्य ज्योति "मुझे तो अदभूत युग चेतना पानुरी जी की रचना से हुई है" इ के पानुरी जी के कहले रहथ- **रामदयाल पाण्डेय**
- श्रीनिवास पानुरी कइसन कबि हइ - **छायावादी**
- पानुरी जी की काम करे हलथ-**पान गुमटीय पान बेइचे हलथ, धनबाद पुराना बाजारे**
- पानुरी जीक आरथिक स्थिति कइसन रहथ- **खराब**
- पानुरी जीक घरेक नाम की हइ- **चिनिवास**
- पानुरी जी कइसन कवि हथ - **जनवादी, मानववादी**

Jssc Virh Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner

- पानुरी जीक पान गुमटीय कोन-कोन करांतिकारी लोक कविता सुनेक अर पान खाइले आवे हलथ
  - ए.के राय, बिनोद बिहारी महतो
- छोटानागपुर भाषाओं में सर्वप्रथम खोरठा भाषा में श्री निवास पानुरी नें मेघदूत का अनुवाद करने का श्रेय पाय है। ई केकर कहल लागे- **राधाकृष्ण**
- किसी भी कथावस्तु को एक आकार से दूसरे आकार में ढालना एक भाषा से दूसरी भाषा में उतारना कठिन काम है फिर भी मेघदूत का तो और भी कठिन किंतु खोरठा कवि पानुरी जी ने उसके अनुवाद की अदभूत चेष्टा की है। ई केकर कहल लागे- **हंस कुमार तिवारी**
- खोरठा नामक जनपदीय भाषा में काव्य निर्माण का काम आप बड़ी सफलता से कर रहे है और मैं इसे ऐसी ही समझता हूँ जैसा वाल्मिकी ने संस्कृत के लिए अथवा सिद्ध कवियों ने हिन्दी के लिए किया। ई केकर कहल लागे - **राम दयाल पांडे**
- कहना न होगा कि श्री निवास पानुरी ने मेघदूत को उसकी उचित जमीन पर उतार दिया है। इस अनुवाद से खोरठा की अपनी वास्तविक क्षमता सिद्ध होती है। ई, केकर कहल लागे- **वीर भारत तलवार**
- साहितेक उत्तराधिकारी पुत्र अर्जुन पानुरी के लिखवइया हइ - **गिरिधारी गोस्वामी आकाशखूंटी**
- श्री निवास पानुरी जीक जीवनीक लिखवइया हइ - **प्रदीप कुमार दीपक**
- पानुरी जी खोजे तीन दिन जातरा बिरतांत (यात्रावृतांत) के लिखवइया हइ- **प्रदीप कुमार दीपक**
- कम्युनिष्ट विचारधारक लोक पानुरी जी लिखवइया हथ- **शिवनाथ प्रमाणिक**
- राष्ट्रवाणी (दैनिक) के संपादक श्याम कृष्णा बक्सी, पानुरी जीक कोन रचना पर फरनाइ के समीकछा छापल
  - बाल किरण
- मातृभाषाओ का अधिकार कोई छीन नहीं सकता, न ही लोक कविता का आगे बढ़ने से कोई रोक सकता है। ई बात के पानुरी जीक चिट्ठी लिखले रहथ- **राहुल सांकृत्यायन**
- पानुरी जीक उपनाम हइ
  - अक्षय बोर
  - आधुनिक खोरठा शिष्ट साहित्य के जनाब
  - खोरठा भाषा के भीष्म पितामह
  - खोरठा के भारतेंदु
- खोरठा साहिते पानुरी जीक जुग मानल गेल हइ -1960-1980
- पानुरी जी कोन बछरे सिराइ गेला-**7 अक्टूबर, 1986 (हिरदय गति रूकेक कारन)**
- पानुरी जीक कृति -
  - **बाल किरण (खोरठा भासाक पहिल कविता संगरह, 1954)** (1956)
  - **आपन करनी दैवेक दोस (पानुरी जीक परथम कहनी मानल गेल हइ)**
  - **तितकी (कविता संगरह)**
  - **मधुक देशे (प्रणय गीत)**
  - **रामकथामृत (खंड काव्य, 1970)**
  - **चाभी काठी (नाटक)**
  - **उदभासल कर्ण (नाटक)**
  - **आँखीक गीत (कबिता संगरह)**

Scanned with OKEN Scanner

- दिव्य ज्योति (पानुरी जीक पहिल काइब)
- मालाक फूल (कबिता संगरह)
- झींगा फूल
- मातृभाषा (मासिक पतरिका, 1957)
- रक्ते भींजल पाँखा (कहानी संगरह)
- किसान (कबिता)
- सवले बीस (कबिता संगरह)
- जुगेक गीता (कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो कर खोरठा अनुवाद, 1968)
- कुसमी (कहानी)
- अजनास
- पारिजात (काव्य)
- अपारिजात (काव्य)
- मोहभंग (काव्य)
- हमर गांव
- भ्रमर गीत
- मेरे गीत छोटो जी (हास्य व्यंग)
- समाधान (काइब)
- अग्नि परीक्षा (काइब)

❖ 'खोरठा साहितेक पुरोधा' पानुरी जी केकर लिखल संस्मरण लागे- **विश्वनाथ दसौंधी राज**

❖ बोंडाइ साहितेक ध्रुवतारा पानुरी जी केकर लिखल जीवनी लागे - **शिवनाथ प्रमाणिक**

❖ खोरठा का नागार्जुन नाम से संबोधित कोन करले हे - **विकल शास्त्री**

❖ खोरठा का अनंतपुरूष नाम से संबोधित कोन करले हे - **महेन्द्र प्रसाद नागी**

❖ खोरठा का ध्रुवतारा नाम से संबोधित कोन करले हे - **प्रदीप कुमार दीपक**

❖ खोरठा का रिसिराज नाम से संबोधित कोन करले हे - **सुकुमार**

❖ मेघदूत के खोरठा अनुवाद को एक ही बैठक में पढ़ गया। मुझे तो इसके मूल ग्रंथ के पाठ का ही आनंद प्राप्त हुआ - **भागवत ठाकुर**

❖ पानुरी जी ऋषि परंपरा के साहित्यकार थे। केकर कहल लागे - **विकल शास्त्री**

❖ पानुरी जी ऐसे साहित्यकार थे जिन्होंने अपना साहित्यिक जीवन मानवता के हित में समर्पित कर सजग और सक्रिय होकर जिया- **ए. के. झा**

❖ पानुजी खोरठा साहित्य के अग्रदूत तथा रबिन्द्रनाथ ठाकुर थे। केकर कहल लागे - **श्याम सुंदर महतो**

❖ पानुरी जी आमजन की भाषा में आमजन के कवि हे। केकर कहल लागे - **वीर भारत तलवार**

❖❖❖

Jssc with Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner

2. ए. के. झा

- ए. के. झा जी के जनम बछर हइ - 20 जून, 1939
- ए. के. झा जी के जनम ठांव हइ - **चंडीपुर, बोकारो**
- ए. के. झा जीक उपनाम की हइ - **'झारपात'**
- ए. के. झा जी पुरा नाम की हइ - **अजित कुमार झा**
- ए. के. झा जी मायेक नाम हइ- **कुसुम बाला**
- ए. के. झा जी बापेक नाम हइ- **लक्ष्मीनाथ झा**
- ए. के. झा कइसन आर कहांक रीति निति के सवागत करो हथी

  - बेस पुरना नावा देस-बिदेस चाहे जहाँ के नीति
- मौसम वैज्ञानिक के नाम से जानल जा हइ- **डॉ. ए. के. झा**
- ए. के. झा जी कोन पतरिका संपादन करलथीन- **तितकी (1983-87)**
- ए. के. झा जी सम्मान से सम्मानित-
  - **मौसम विद् सम्मान- कृषि मंत्रालय द्वारा**
  - **मौसम विज्ञान विधवाला सम्मान**
  - **शताब्दी रत्न सम्मान**
  - **राष्ट्र भासा रत्न सम्मान**
  - **यु. एस. ए. मैन ऑफ दी ईयर-1999**
  - **नवरंग सम्मान -1989**
  - **मैथिली शरण गुप्त राष्ट्रीय सम्मान**
  - **महादेशोत्तम सम्मान**
  - **श्रीनिवास पानुरी स्मृति साहित्य सम्मान-2011**
  - **कवि व्यथित समान - झारखण्ड राष्ट्रभाषा परिषद भुरकुंडा द्वारा**
- ए. के. झा की काम करो हलय- **पी.टी.पी.एस.-पतरातु थर्मल पावर स्टेशन में स्टोर कीपर (1975 से 1999)**
- 'धारा गगन सिद्धांत' कर परतिपादक कउन हइ- **ए.के. झा**
- ए. के. झा जी 'खोरठा ढाकी छेतर कमिटि कर स्थापना कउन बछर आर कउन ठीन से करल हइ

  - रामगढ़, 13 अप्रैल 1982
- 1975-2000 तक के काइल केकर काल मानल गेल हइ - **ए. के. झा जीक**
- ए. के. झा कोन अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान मंचे खोरठा समेत झारखंडी भासा संसकीरिति विसेसता के फरीछ करल हला

  - इंडियन साइंस कांग्रेस
- एके. झा. कोन-कोन भासाञ रचना करल हथ - **अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, बांग्ला, संस्कृत, खोरठा**
- ए. के. झा जी कउन बछर मेटरिक पास करलथिन- **1959**
- ए. के. झा जी कउन बछर संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग से बी. एस. सी. करलथिन- **1963**
- ए. के. झा जी कोन कॉलेज से इंटर विज्ञान बिसइये से करलथिन-**संत कोलम्बस महाविद्यालय, हजारीबाग**
- ए. के. झा जी कोन बछरे पी. टी. पी. एस. से सेवानिवृत भेल रहथ - **30 जून 1999**

Scanned with OKEN Scanner

❖ ए. के. झा जीक समपादित आर सहयोगी रचना-
- एक टोकी फूल (गीत संगरह) 1984, 2012
- खोरठा लोककथा 1987, 2014
- खोरठा लोक साहित्य - 2012
- दू डाइर जिरहुल फूल (दशम कक्षा की पाठ्य पुस्तक) 2010, 2015
- खोरठा गइद-पइद संगरह (1989, 2013)
- दू डाइर परास फूल (नवम कक्षा की पाठ्य पुस्तक) 2013

❖ ए. के. झा के कोन बछर मिरतु भेल रहथ- 29 सितंबर, 2013

❖ झा जी सिराइले कोन अखबारे छपल रहइ 'हमनी सोब अनाथ हो गेली'- प्रभात खबर

❖ ए.के. झा जीक कृति -
- समाजेक सरजुइत निसइसन (प्रबंध काव्य)
- खोरठा काठे पड़देक खड़ी (कबिता संगरह, 1984)
- खोरठा काठे गइदेक खड़ी (निबंध संगरह, 1983)
- सइर सरगठ (उपन्यास, 2011)
- मेकामेकी न मेटमाट (नाटक, 1995)
- कबिता पुरान (बाल कबिता संगरह)
- बडका बुजरूक बिरसा (बिरसा मुंडा की जीवनी)
- चाइल चिन्हा (कविता)
- पुटी आर पालु (शब्द चित्र)
- खोरठा भासा रस छंद और अलंकार
- खोरठा सहित सदानिक बेयाकरन (खोरठा भासा का पहला व्याकरण किताब, 2010)

❖ कोन बछर ए.के. झा जीक भारत सरकार के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने डॉक्टरेक मानध उपाधि से सम्मानित करल गेल हथ- 1997

Jssc with Anand (YouTube)

❖❖❖

Scanned with OKEN Scanner

3. शिवनाथ प्रमाणिक

- शिवनाथ प्रमाणिक जीक जनम बछर हय- 13 जनवरी, 1950
- शिवनाथ प्रमाणिक जीक जनम ठाव हय- बइदमारा, बोकारो
- शिवनाथ प्रमाणिक जीक बापेक नाम हय- मुरलीधर प्रमाणिक
- शिवनाथ प्रमाणिक जीक मायेक नाम हय- तिनकी देवी
- शिवनाथ प्रमाणिक जीक उपनाम हकइ - मानिक
- झारखंड सरकार ले सर्वश्रेष्ठ साहित्कार पुरस्कार कउन बछर मिलल रहइ- 2008
- कउन जिला ले परिवर्तन विशेष पुरस्कार मिलल रहइ -चतरा
- कउन जिला काव्य भूषण उपाधि पुरस्कार मिलल रहइ- जमशेदपुर
- कउन जिला झारखंड हिन्दी साहित्य संसकीरिति पुरस्कार मिललई - राँची
- शिवनाथ प्रमाणिक जीक कोन बछरे श्रीनिवास पानुरी स्मृति साहित्य से सम्मान मिललइ -2019
- शिवनाथ प्रमाणिक जीक मेटरिक पास कउन बछर करलथिन- 1968
- शिवनाथ प्रमाणिक जी नउकरी कउन ठीन करलथिन -बोकारो इस्पात कारखाना (1969-2009)
- शिवनाथ प्रमाणिक जीक कृतियाँ -
  - -दामुदेरक कोराञ (पहला काव्य खंड 1986)
  - -तातल आर हेमाल (कबिता संगरह 1998)
  - -रूसल पुटुस (कबिता संगरह 1996)
  - -मइछ गंधा (महाकाव्य)
  - -पयान गीत (कबिता)
  - -खोरठा लोक साहित्य (विवेचन ग्रंथ, 2005)
  - -खोरठा एगो स्वतंत्र-समृद्ध भाषा (लेख)
  - -चितरा रानी (लोक कथा)
  - -पंचान गीत (कबिता)
  - -जहर आना रे जयचंद मिरजापुर खातिर जहर आना रे
  - -हारजोतवा आर ओकर सहिया लोककथा
  - -संकरी नदीक कद्दारे (यात्रा वृतांत)
  - -व्याकुल जीक खोजाइरे (यात्रा वृतांत)
  - -माना गाँव (यात्रा वृतांत)
- शिवनाथ प्रमाणिक जीक बिचार साहित्य छेतरे हइ - जनवादी
- शिवनाथ प्रमाणिक जीक बिचार राजनीतिक छेतरे हइ - कम्यूनिस्ट
- शिवनाथ प्रमाणिकजी सिराइ गेला - 27 फरवरी, 2024

❖❖❖

Scanned with OKEN Scanner

4. सुकुमार

- सुकुमार जीक पुरा नाम हइ - **सुरेश कुमार विश्वकर्मा**
- सुकुमार जीक जनम ठांव हइ - **भेंडरा, बोकारो**
- सुकुमार जीक जनम बछर हइ - **2 नवंबर, 1956** | 29 मई 2026
- सुकुमार जीक मायेक नाम हइ - **राधा देवी**
- सुकुमार जीक बापेक नाम हइ - **विश्वनाथ विश्वकर्मा**
- बोकारो खोरठा कमिटी सुकुमार जीक कउन बछरे खोरठा रत्न से सम्मानित करला। - **1993**
- शोषित मुक्ति वाहिनी दने से सुकुमार जीक कोन सम्मान मिलल हलइ-**परमवीर (अब्दुल हमीद सेवा सम्मान)**
- झारखंडी भाषा साहित्य संसकीरिति अखडा दने से सुकुमार जीक कोन सम्मान मिलल हलइ - **अखड़ा सम्मान (2009)**
- पहिल देबुलाल गोस्वामी कला सम्मान ककरा आर कहिया देल गेलई - **सुकुमार 2017**
- सुकुमार जीक सम्मान से सम्मानित-
  - **-झारखंड सरकार कला सम्मान, 15 अगस्त 2007**
  - **-खोरठा रत्न, 1993**
  - **-अखड़ा सम्मान, 2009**
  - **-कुमार फिल्मस पानुरी समृति सम्मान**
- सुकुमार जी कउन बछर मेटरिक पास करलथिन- **1972**
- सुकुमार जी कउन बछर इंटर पास करलथिन- **1993**
- सुकुमार जी कउन बछर बी. ए. पास करलथिन- **1996, झारखण्ड कॉलेज, डुमरी**
- सुकुमार जी कउन बिसइये से बी. ए. करलिथन- **मानवशास्त्र**
- सुकुमार जी कउन बछर आई. टी. आई. पास करलथिन- **1976**
- सुकुमार जी लघु सिंचाई विभाग में की काम करल रहथ- **पंप ओपरेटर (1984-2016)**
- सुकुमार नाटककार के अलावे आर कोन रूपे खोरठा जगते चरचित हइ- **गायक के रूप में**
- सुकुमार खोरठा के छाड़ा कोन भासाज रचना करो हइ- **हिन्दी**
- सुकुमार जीक हिन्दी कृति -
  - **-दो भाई**
  - **-सिकंदर-ए-आजम**
  - **-हरिशचन्द्र तारामती**
  - **-ज्वाला दहेज की**
- सुकुमार जीक खोरठा कृति -
  - **- मदनभेरी (खोरठा गीत संकलन)**
  - **- फरीछ डहर और पिया रसिकवा**
  - **- बाँवा हाथेक रत्न काव्य**
  - **- डाह नाटक**
  - **- सेवाती (खोरठा गीत संगरह)**
  - **- मदनभेरी (खोरठा गीत संकलन)**
  - **- पइनसोखा (खोरठा गीत संगरह)**
  - **- झिंगुर (खोरठा गीत संगरह)**

❖❖❖

JSSC with Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner

5. बी. एन. ओहदार

- डॉ. बी. एन. ओहदार जीक जनम बछर हइ- **2 सितंबर, 1952**
- डॉ. बी. एन. ओहदार के जनम ठांव हइ- **चेटर, रामगढ़**
- बी. एन. ओहदार के पुरा नाम की हइ - **डॉ. भोगनाथ ओहदार**
- बी. एन. ओहदार के मायेक नाम हइ- **रूपा देवी**
- बी. एन. ओहदार के बापेक नाम हइ-**माधो ओहदार**
- बी. एन. ओहदार कउन विश्वविद्यालय में पढ़ावे हइ - **राँची विश्वविद्यालय**
- बी. एन. ओहदार के उपनाम की हइ-**सब्यसाची**
- बी. एन. ओहदार जीक कृति-
  - **खोरठा का उद्‌भव एवं विकास**
  - **अनुदितांजली**
  - **खोरठा निबंध**
  - **रइसका (शब्द चित्रण)**
- पहले रचो तो सही टेढा-मेढा जाहे जैसा भी हो केकर विचार लागे - **डॉ. बी. एन. ओहदार के**
- बी. एन. ओहदार जीक सम्मान से सम्मानित-
  - **श्री निवास पानुरी सम्मान, 2017**
  - **खोरठा रत्न, 1993**
  - **जवाहर लाल नेहरू फेलोशिप (शोध कार्य के लिए)**
- अनुदितांजली कइसन रचना हइ जेकरा ओहदार जी 2006 में खोरठा में उल्था (अनुवाद) करलथिन
  - **दुष्यंत कुमार आर बहादुरशाह जफरेक गजलेक खोरठा उल्था**
- तिलका माँझी के जीवनी खोरठाय के लिखल हइ- **बी. एन. ओहदार**
- खोरठा भाषा एवं साहित्य उद्‌भव एवं विकास किनखर लिखल हय- **बी. एन. ओहदार**
- बी. एन. ओहदार कउन बछर विज्ञान बिसय से बी. एस. सी. करलथिन- **1974**
- बी. एन. ओहदार कउन बछर खोरठा भासा में एम. ए. करलथिन- **1986**
- बी. एन. ओहदार कउन बछर हिन्दी भासा से एम.ए. करलथिन- **1994**
- बी. एन. ओहदार कउन बिसय से पी. एच. डी. करलथिन- **खोरठा**
- करील (त्रैमासिक पत्रिका) के परधान संपादक कउन हइ- **बी. एन. ओहदार**
- तितकी (त्रैमासिक पत्रिका) के परबंध संपादक कउन हइ- **बी. एन. ओहदार**
- झारखंड संदेश (हिन्दी साप्ताहिक) के मुइख संपादक हइ- **बी. एन. ओहदार**

❖❖❖

Scanned with OKEN Scanner

6. बंशी लाल 'बंशी'

- बंशी लाल 'बंशी' जीक जनम बछर हय - 11 मार्च 1954
- बंशी लाल 'बंशी' जीक जनम ठांव हय - चौफांद, बोकारो चौफांद
- बंशी लाल 'बंशी' जीक बापेक नाम - मोती लाल साहु
- बंशी लाल 'बंशी' जीक मायेक नाम - वासनी देवी
- बंशी लाल 'बंशी' जीक सिकछा - स्नातक, पत्रकारिता में डिप्लोमा
- बंशी लाल 'बंशी' जीक कृतियां -
  - डींड़ाक डोंआनी (खोरठा प्रबंध काइब 1992)
  - खोरठा दर्पण (1998) (भासा-संस्कीरतिक परिचय)
  - पगडंडियाँ तथा प्रतिनिधि (हिन्दी लघुकथा)
  - कइर के देखवा (खोरठा कइहनी 2019)
- बंशी लाल 'बंशी' कउन किताबे संपादन करले हथिन-
  - खोरठा लोककथा - 1987
  - खोरठा गइद-पदय संगरह - 1989
  - दू डाइर जिरहुल फूल
  - तितकी पत्रिका
- बंशी लाल 'बंशी' जीक उपलब्धियाँ-
  - श्रीनिवास पानुरी स्मृति साहित्य सम्मान - 2022
  - दहेज दानव पत्रिका ले लखनऊ से अखिल भारतीय लघुकथा प्रतियोगिता 1984 में पुरस्कृत।
  - काव्य लोक जमशेदपुर से साहित्य साधना एवं संस्कृति सेवा के लिए काव्य भूषण मानद से सम्मानित
- बंशी लाल 'बंशी' जी सिराइ गेला - 18 फरवरी 2022

❖❖❖

Jssc with Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner

7. संतोष कुमार महतो

- संतोष कुमार महतो जीक जनम बछर हइ-02 सितंबर, 1930
- संतोष कुमार महतो जीक जनम ठांव हइ-गांगजोरी (बोकारो)
- संतोष कुमार जीक मायेक नाम हइ- छुटमनी देवी
- संतोष कुमार जीक बापेक नाम हइ- तालो महतो
- संतोष कुमार महतो जीक बेटाक नाम- सत्यनारायण
- संतोष कुमार महतो जीक आजाक नाम- रामधन
- संतोष कुमार महतो पेसा से की हला- शिक्षक आर किसान
- संतोष कुमार महतो की शिक्षा हलइ- एम. ए. भूगोल (1957)
- संतोष कुमार महतो कहां से रिटायर करला-डी. वी. सी. इ. वि. चंद्रपुरा (बोकारो)
- संतोष कुमार महतो कहिया सेवानिवृत्त भेला-2 सितंबर, 1990
- संतोष कुमार महतो जीक मिरतु कब हलइ- 24 नवंबर, 2013
- संतोष कुमार महतो कोन किताप के संपादन करल हला- एक पथिया डोंगल महुआ
- एक मउनी फूल कबिता संगरह किताब के लिखवइया हइ- संतोष कुमार महतो
- संतोष कुमार महतो खोरठा के कइ गो किताब देल हइ- 2 गो
- लेखन कार्य - खोरठा, हिन्दी, बंगला, अंग्रेजी, संस्कृत के विभिन्न विधायो में
- अइन भासा गियान-संथाली, करमाली, पंचपरगनिया, मगही, नागपुरी, भोजपुरी एवं मैथली
- कार्य क्षेत्र-

  -यगोदा सत्संग आश्रम, राँची

  -बॉघड़ीह उच्च विद्यालय, बोकारो

  -राम रूद्र उच्च विद्यालय, चास बोकारो

  -डी. वी. सी उच्च विद्यालय तथा इंटर कॉलेज, चंद्रपुरा (बोकारो)

  -डी. वी. सी उच्च विद्यालय (बोकारो)

  -डी. वी. सी उच्च विद्यालय, चंद्रपुरा, बोकारो (उपप्रचार्य के पद से रिटायर)

❖❖❖

Scanned with OKEN Scanner

8. विनोद कुमार

- विनोद कुमार जीक जनम बछर हइ- 18 नवंबर, 1961
- विनोद कुमार जीक जनम ठांव हइ- दारू, हजारीबाग
- विनोद कुमार जीक बापेक नाम हइ- मथुरा प्रसाद
- विनोद कुमार जीक मायेक नाम हइ- सुगवंती देवी
- विनोद कुमार जीक सिकछा -

  -मेटरिक, 1977 सरस्वती उच्च विद्यालय, दारू, हजारीबाग

  -इंटर, 1979 संत कोलम्बस महाविद्यालय, हजारीबाग

  -स्नातक, 1981 विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

  -एम.ए, खोरठा से 1986 रांची विश्वविद्यालय

- विनोद कुमार जी कोन बछरे आर शोध के बिसय खोरठा से पीएचडी करलथिन

  - 2006, खोरठा लोक गीतो का सांस्कृतिक अध्ययन

- विनोद कुमार जीक अध्यापन क्षेत्र-

  -व्याख्याता, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग रांची विश्वविद्यालय 1986-87

  -सहायक अध्यापक खोरठा भाषा में, रांची विश्वविद्यालय 1987-2016

  -विभागाध्यक्ष, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, रांची विश्वविद्यालय, 2016-18

  -समन्वयक, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची, 2018-2020

- विनोद कुमार जी सम्मान से सम्मानित करल गेल हइ -

  - खोरठा रत्न, 1993
  - डॉ. अंबेडकर फैलोशिप सम्मान, 2018
  - झारखण्डी भाषा साहित्य विशेष सम्मान, 2019
  - विलुप्त भाषाओं के प्रल्लेखन के सहयोग के लिए विशेष सम्मान, 2021

- विनोद कुमार जीक खोरठा कृति-

  -सोंधमाटी, 1990

  -खोरठा लोक गीतो का सांस्कृतिक अध्ययन, 2019

  -बंबरा (खोरठा निबंध संग्रह)

  -बोन पतरा (खोरठा कहानी संग्रह)

  -धोबइयाक धमक (खोरठा कहानी, निबंध एवं कविता)

❖❖❖

JSSC with Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner

9. पंचम महतो

- पंचम महतो जीक जनम बछर हय- **28 जनवरी, 1949**
- पंचम महतो जी कउन दिने जनम भेल रहइ- **बसंत पंचमी**
- पंचम महतो जीक जनम ठांव हय- **माराफरी, बोकारो**
- पंचम महतो जीक बापेक नाम हय- **गजाधर महतो**
- पंचम महतो जीक मायेक नाम हय- **झुला देवी**
- पंचम महतो जीक आजाक नाम हय- **जगु महतो**
- पंचम महतो जीक कहां काम करइ हलथिन- **बोकारो इस्पात कारखाना**
- पंचम महतो जीक सिकछा -

  -मेटरिक - 1964

  -प्री यूनिवर्सिटी - 1965

  -आई.टी.आई. - 1967-69

- पंचम महतो जीक कृतियां -

  -फरीछ डहर (कहनीक गोछ), 2001

  -मन चरइँया (यात्रा वृतात), 2008

- पंचम महतो जीक श्रीनिवास पानुरी स्मृति साहित्य सम्मान मिललइ-2013
- पंचम महतो जीक अखरा सम्मान मिललइ - 2020

❖❖❖

Scanned with OKEN Scanner

10. विश्वनाथ दसौंधी राज

- विश्वनाथ दसौंधी राज जीक जनम बछर हइ-15 अप्रैल, 1943
- विश्वनाथ दसौधी जीक जनम ठांव हइ - **भटमुरना, कतरासगढ़, धनबाव**
- विश्वनाथ दसौंधी जीक मायेक नाम हइ- **उषामणि देवी**
- विश्वनाथ दसौंधी जीक बापेक नाम हइ- **मुखराम दसौंधी**
- विश्वनाथ दसौंधी राज जीक जनीक नाम हइ- **कंचन**
- विश्वनाथ दसौंधी के उपनाम की हइ- **राज**
- तितकी पतरिका के पहिल संपादन करले रहथ आर कउन बछर- **विश्वनाथ दसौंधी, अगस्त 1977**
- विश्वनाथ दसौंधी राज के कि कि पेशा हलइ- **शिक्षक, तांत्रिक, लेखनी**
- दसौंधी जी के श्रीनिवास पानुरी सम्मान के देल रहे आर कउन बछर- **खोरठा साहित संसकीरिति परिषद, 1992**
- विश्वनाथ दसौंधी राज किनखर से परभावित होके "तनि बुझ रे मानुस" लिखले हइ- **रविन्द्रनाथ टैगोर**
- कोन बछर विश्वनाथ दसौंधी राज जीक भारतीय भासा साहित्य न्यास, राँची में श्रेष्ठ साहित्यकार रूपे तत्कालिन राज्यपाल सैयद सिब्ते रजी द्वारा सम्मान करल गेल हलइ- 2006
- विश्वनाथ दसौंधी राज जीक सिकछा -
  - **-प्राथमिक सिकछा** - लोवर प्रारंभिक विद्यालय भटमुरना, धनबाद
  - **-मेटरिक** - गंगा नारायण मेमोरियल, हाइ स्कूल कतरासगढ़, धनबाद
  - **-इंटर आर बी.ए** - राजा शिव प्रसाद कोलेज, झरिया धनबाद
  - **-एम. ए** - रांची विश्वविद्यालय
  - **-डिप. एन. एड डिग्री** - शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, देवघर
- राज जी कोन ठीन सुपरवाइजर रूपे काम करल बादे छोड देइल हलथ - **बोकारो इस्पात कारखाना**
- राज जीक कोन विद्यालये सरकारी सिकछक हलथिन
  - गंगा नारायण मेमोरियल उच्च विद्यालय, कतरास (1980-1996)
- विश्वनाथ दसौंधी राज जीक जीवनी लिखवइया हइ- **श्याम सुन्दर केवट 'रवि'**
- विश्वनाथ दसौंधी राज जी कहिया सिराइ गेला- 16 अक्टूबर, 2009
- विश्वनाथ दसौंधी राज जीक कृति -
  - **-भगजोगनी (उपन्यास, 2004)**
  - **-अजगर (नाटक)**
  - **-पुटुस आर परास (कविता संगरह) (राज जीक पहिल कविता संगरह)**
  - **-घुइर मुँडरी बेल तर (लघुकथा संगरह)**

Jssc with Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner

-महुआ (खोरठा का पहिल परकसित कहानी)

-माटिक पुथइल (कहानी संगरह)

-ढलती शाम का सूरज (उपन्यास) (पहली हिन्दी कृति)

-वेदना के पंख (पहिल हिन्दी कविता संगरह, आगरा प्रकाशन)

-शक्ति रूपेण सन्सिथता (हिन्दी में आध्यात्मिक निबंध पुस्तक)

-तितकी खोरठा पतरिका के पहिल संपादक, 1977 (प्रकाशक-बिहार भूमि प्रेस कतरास)

❖ विश्वनाथ दसौंधी राज जीक कोन रचनाक उपर फिल्म बनल हइ- **महुआ**

❖ ''सुना केवट बाबु, केव कतनो दर किनार करेक चेस्टा करें, जोदि तोहर लेखनी में दम हतो तो एक दिनइ खुद ऊ सब के मान हतइ आर खुद आपने कुटचाइल लोक एक धाइर भइ जिता।'' ई केकर कथन हकइ

- विश्वनाथ दसौंधी राज

❖ विश्वनाथ दसौंधी कहां से रिटायर भेलइ- **महाराज जी बिजुलिया उच्च विद्यालय, रामगढ़ (2003)**

❖ विश्वनाथ दसौंधी राज जीक अप्रकासित रचना-

- मजहब आर इंसान (2003)

- डेढ़ रोटी

- रक्षा बंधन

❖ विश्वनाथ दसौंधी राज जी कोन परिषद के गठन करलथिन - **खोरठा साहित परिषद, कतरासगढ़**

❖ तांत्रिक बनल बारे नाम रहे - **विश्वनाथनन्द**

❖ झा जीक मते दसौन्धी राज कोन कालेक कवि लागथ- **मइधकाल**

❖❖❖

Scanned with OKEN Scanner

11. दिनेश कुमार 'दिनमणि'

- दिनेश कुमार दिनमणि जीक जनम बछर हइ- **13 सितम्बर, 1969**
- दिनमणि जीक जनम ठांव हइ- **बाराडीह, बोकारो**
- दिनमणि जीक बापेक नाम हइ- **महेश्वर महतो**
- दिनमणि जीक मायेक नाम हइ- **फुलु देवी**
- दिनमणि जीक जनीक नाम हइ- **कमला देवी**
- दिनमणि जीक सिकछा-
  - **मैट्रिक-1985 (पिंडरा जोरा, हाई स्कूल)**
  - **बी. ए. - 1992 (चास कॉलेज)**
  - **एम. ए. टी आर एल, खोरठा से (रांची वि.वि.-1995)**
  - **एम. ए हिन्दी (विनोबा भावे वि.वि. हजारीबाग-2005)**
- दिनमणि जीक कोन भाषा से पीएचडी कर डिग्री में सोध करलथिन
  - खोरठा भाषा का तात्विक अध्ययन, 2024
- दिनमणि जीक कोन बछरे खोरठा लिपिक अविसकार करले हथिन- **1988**
- दिनमणि जीक कोन बछरे खोरठा लिपिक खोरठा सम्मेलन भतुवा, बोकारो में परस्तुत करले रहथ- **1989**
- दिनमणि जीक कृति-

कहानी - फुल कोबिक झोर
धरम करम
पगली मोइर गेली
जीत

कबिता - ए मानुस
सोंचो उपाय
आइग आर धुंगा
इंजोरियाक बांटा

नाटक - जिनगिक संगी
गुरू वानाक दाढ़ी
सम्बूक वध

- दिनमणि जी कोन गीत संगरह के दु बइर संपादन करले हथिन- **सोहान लागे रे**
- दिनेश कुमार दिनमणि जीक कोन रत्न से सम्मानित करल गेल हइ- **खोरठा रत्न, 2011**
- दिनेश कुमार दिनमणि जीक श्रीनिवास पानुरी प्रबुद्ध सम्मान मिललइ-2018

❖❖❖

Jssc with Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner

12. गजाधर महतो प्रभाकर

- गजाधर महतो प्रभाकर जीक जनम बछर हइ- **11 फरवरी, 1952**
- गजाधर महतो प्रभाकर जीक जनम ठांव हइ- **सिल्ली, रांची**
- गजाधर महत्तो प्रभाकर जीक बापेक नाम हइ- **जगन्नाथ महतो**
- गजाधर महतो प्रभाकर जीक मायेक नाम हइ- **लाखो देवी**
- गजाधर महतो प्रभाकर जीक जनीक नाम हइ- **पानो देवी**
- गजाधर महतो प्रभाकर जी कइसन परिवार से रहइ- **किसान परिवार**
- प्रभाकर जी कोन बछरे मेटरिक पास करलइ रहथ- **1968**
- प्रभाकर जी कोन बछरे पी.एच.डी खोरठा से करलथिन- **1990**
- के खोरठा में परथम पी.एच.डी. डिग्री धारक हइ- **गजाधर महतो प्रभाकर**
- गजाधर महतो प्रभाकर जीक अध्यापन छेतर -
  - **रामगढ़ उच्च विद्यालय कोयरी टोला, 1974**
  - **कृ. व. आदर्श उच्च विद्यालय लारी, 1967-1978**
  - **महात्मा गाँधी उ. वि. भुरकुण्डा, 1978-2012**
- गजाधर महतो प्रभाकर जी कोन कोलजे अवैतनिक सेवा देइ रहल हइ - **बिरसा मुण्डा इन्टर कॉलेज, रामगढ़**
- गजाधर महतो प्रभाकर जीक कोन रत्न से सम्मानित करल गेल हइ - **खोरठा रत्न, 2019**
- गजाधर महतो प्रभाकर जीक कृति -
  - **पुटुस फुल, 1988 (खोरठा कहानी संगरह)**
  - **मरीचिका, 1988 (हिन्दी लघुकथा)**
  - **आब ना रहा पटाइल, 2009 (खोरठा कविता संगरह)**
  - **खोरठा लोककथाक नेवरा, 2009**
  - **खोरठा भाषा साहित्यकार परिचय, 2011**
  - **खोरठा लोककथा विषय और विश्लेषण (शोध ग्रंथ)**
  - **खोरठा भाषा और साहित्य, 2018**
  - **खोरठा भाषा व्याकरण, 2017**
  - **खोरठा लोक साहित्य सार**

❖❖❖

Scanned with OKEN Scanner

13. भुवनेश्वर दत्त शर्मा 'व्याकुल

- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक जनम बछर हइ - **17 मार्च, 1908**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक जनम ठांव हइ - **महथाडीह, गिरिडीह**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक बापेक नाम हइ - **बलदेव उपाध्याय**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक मायेक नाम हइ - **शांति देवी**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक जनम कइसन परिवार में भेल रहइ- **ब्राह्मण**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक जनीक नाम हइ - **सरस्वती सुशीला देवी**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक कइसन जनी बिहा करले रहथ- **राँड़ी (विधवा)**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक कइसन बीहा करले रहइ- **अन्तजांतीय**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक जनी किनखर भतीजी रहइ- **श्रीकृष्ण सिंह के (बिहार कर पहिल मुइख मंतरी)**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक कोन बछरे सिराइ गेला- **17 सितंबर, 1984**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा जीक उपनाम हइ- **व्याकुल, राष्ट्रीय कवि, गिरिडीहवी**
- व्याकुल जी कते कक्षा तक पढल रहइ- **पांच**
- व्याकुल जी 11 वछरेक उमइरही घर से भाइग के कहां चइल गेल रहइ- **कासी**
- व्याकुल जी कहा नउकरी करे हलइ- **बोकारो स्टील कारखाना**
- व्याकुल जी कोन भासाञ रचना करे हलइ - **हिन्दी, खोरठा, उर्दू, संथाली**
- व्याकुल जीक बाप सिराइल बाद के लालन-पोसन करलइ रहथ- **अयोध्या प्रसाद उपाध्याय (व्याकुल जीक आजा)**
- भुवनेश्वर दत्त शर्मा 'व्याकुल' जीक जीवनी के लिखइया हइ- **परितोष कुमार प्रजापति**
- व्याकुल जीक राष्ट्रीय कवि कइह कर संबोधित करलथिन- **रामनारायण, सिंह**
- व्याकुल जीक कोन बछरे श्रीनिवास पानुरी स्मृति सम्मान मिललइ- **1989**
- व्याकुल जीक कलाम-ए-व्याकुल किताब कोन बछर परकासित भेल रहई- **1939**
- कलाए-ए-व्याकुल किताब कहां से परकासित भेल रहेइ- **बिसुनगढ, हजारीबाग**
- कलाम-ए-व्याकुल किताब कर भूमिका के लिखेवइया रहय- **राम नारायण सिंह**
- व्याकुल जीक किताब कलाम-ए-व्याकुल कते में मिलल रहथ- **बारो आना (75 पैसा)**
- ''भुनेश्वर दत्त शर्मा की राष्ट्रीय कविताएं सुनकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। इस कवि में राष्ट्रीय भावना कुट-कूट कर भरी हुई है।'' ई बात केकर कहल लागे - **माखन लाल चतुर्वेदी**
- कोन बछर व्याकुल जीक रचना कलाम-ए-व्याकुल के अंग्रेज जलाइ देल रहइ- **1943**
- कोन बछर से व्याकुल जी गाँधी जीक संगते आइला आर आजादीक उलगुलाने लाइग गेला- **1925**
- व्याकुल जी कोन बछरे जेहल में रामवृक्ष बेनीपुरी से भेट भेल रहइ- **1930**
- व्याकुल जीक के खोरठा आधुनिक कालेक माइने हय- **गजाधर महतो प्रभाकर**
- व्याकुल जीक के खोरठा मइध कालेक माइने हय-**ए.के. झा, बी.एन. ओहदार, गिरधारी गोस्वामी 'अकासखूँटी'**
- व्याकुल जीक खोरठा कृति - **किसानो का आर्त्तनाद (1943-44)**
  - **मादल (1950-51)**
  - **मादल ध्वनि मधुर ताल (1976-77)**
  - **छउआ दुलार**

JSSC With Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner

❖ व्याकुल जीक हिन्दी कृति -

-प्रताप
-विश्वमित्र
-बालक
-वर्तमान
-हिंदू
-जनता
-कर्मवीर
-पंच
-सफर का साथी
-लोकमान्य
-हिन्दुस्तान
-छोटानागपुर

❖ व्याकुल जीक उर्दू कृति -

- कलाम-ए-व्याकुल
- तरान-ए-व्याकुल
- हुश्नो-इश्क
- फलक से

❖ व्याकुल जीक के पानुरी स्मृति सम्मान देइल रहइ- **खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद, बोकारों (1989)**

❖ किनखर सुखद खोरठा साहित्य कुटीर विष्णुगढ़ से परकासित हवो हलइ- **भुवनेश्वर दत्त शर्मा**

❖ व्याकुल जी हला- **चनफनिया कलाकार गवइया, बजवइया**

❖ व्याकुल जीक काल हला- **1900-1950**

❖ छउवा दुलार कबिता-

हामर बाबु, हामर सोना
हामर सुगा पढे ले गेल
सुनगे अकली। सुन गे खगिया
ऊँच कलेजा आइझे भेल

❖ व्याकुल जी कहां बसला - **बिसुनगढ़, हजारीबाग**

❖ व्याकुल जीक सीधा सम्बंध रहइ - **रामनारायण सिंह**

❖❖❖

Scanned with OKEN Scanner

14. श्याम सुन्दर महतो

- श्याम सुन्दर महतो जीक जनम बछर हइ- 5 सितंबर, 1936 / 3 सितंबर, 1939
- श्याम सुन्दर महतो जीक जनम ठांव हइ- खेमसी, तोपचांची, धनबाद
- श्याम सुन्दर महतो जीक बापके नाम हइ- केदारनाथ महतो
- श्याम सुन्दर महतो जीक मायेक नाम हइ- गंगामणि देवी
- श्याम सुन्दर महतो जीक जनीक नाम हइ- इन्दु बाला देवी
- श्याम सुन्दर महतो जीक उपनाम हइ- श्याम
- श्याम सुन्दर महतो जीक सिकछा-

  मेट्रिक (1956), आजाद हाइ स्कूल गोमो, धनबाद

  इंटर (1958), संत कोलंबस कॉलेज, हजारीबाग

  बी.ए (1961), संत जेवियर महाविद्यालय, रांची
- श्याम सुन्दर महतो कहां नउकरी करे हलथिन - बोकारो स्टील कारखाना (एकाउंटेंट पदे)
- श्याम जी कउन बछरे सेवानिवृत भेल रहइ-1997
- श्याम जी कउन बछरे श्रीनिवास पानुरी स्मृति सम्मान मिलल रहइ- 2004
- श्याम जीक समूत सम्मान कउन देइले रहइ - झारखण्डी भासा सहित - संस्कृति अखड़ा झारखण्ड
- श्याम जीक किनखर जीवनी लिखले रहइ - बिनोद बिहारी महतो, शक्तिनाथ महतो
- श्याम जीक खोरठा कृति -

  मुक्तिक डहर (शक्तिनाथ महतो के जीवनी) [आठ खंड पहला खंड-माटी, आठवां खंड- मुक्तिक डहर)

  - तोञ आर हम (कबिता संगरह) [45 कबिता]
  - चेड़राक मुंडे बेल (कबिता संगरह) (कानापतियार आधार)
  - बिनोद बिहारी महतो (जीवनी)
  - खोरठा लोक गीत (गीत संगरह)
  - टहलू दादाक हांक (कहानी)
  - खोरठा वृहत प्रकीर्ण साहित्य (2016)
- श्याम जीक कबिता -

  -हांकाइर

  -तोय ठकहर

  -जातिक जहर

  -धरम धांधा

  -चला गिदर आम पारे

  -बगदल नेता

Jssc with Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner

❖ श्याम जीक कहानी -
- पेंदला झगरा
- फूल सुंदरी
- घुसखोर
- झिंगा लते कोंहड़ा
- अकली

❖ श्याम जीक हिन्दी कृति-
- आदिवासी बनवासी क्यों (लेख)
- मित्रता की मिठास (कहानी)

❖ श्याम जीक अपरकासित रचना
- 70000 खोरठा हिन्दी शब्द कोश
- 2000 बाल शब्द कोश
- झारखण्ड के 40 शहीद की जीवन गाथा

❖ श्याम जी कोन बछर ले बोकारो खोरठा कमिटि के निदेशक रहथ-1991-1997

❖ श्याम जी कोन बछर ले झारखण्डी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा के उपाध्यक्ष रहथ- 2004-2010

❖ श्याम जी कोन बछरे टाटा को-ऑपरेटिव महाविद्यालय जमशेदपुर से समाज कल्याण में डिग्री लेल रहथ- 1972

❖ श्याम जी 1962 से 1972 तक कोन ठिन माइननर्स टाइम कीपर के रूपे काम करलथिन
- राष्ट्रीय कोयला निगम सियाल, भुरकुंडा, रामगढ़

❖ श्याम जीक सम्मान से सम्मानित -
- इस्पात सुरक्षा पुरस्कार, 1991
(जोइंट कमिटी ओन सेकटी हेल्थ एंड इनवारन्मेंट इन द स्टील इंडस्ट्री, भिलाई द्वारा।)
-श्री निवास पानुरी स्मृति सम्मान, 2004 (खोरठा साहित्य - संस्कृति परिषद बोकारो द्वारा)
-सपूत सम्मान, 2006 (अखिल झारखण्ड खोरठा परिषद, भेण्डरा, बोकारो द्वारा)
-अखड़ा सम्मान, 2010 (झारखण्डी भाषा साहित्य - संस्कृति अखड़ा झारखण्ड द्वारा)
-जाउ जिनगी खोरठा सेवा सम्मान, 2016 (खोरठा भाषा साहित्य विकास मंच बरवाअड्डा, धनबाद)

❖ श्याम सुंदर महतो जीक विचार साहित्य छेतरे हइ - जनवादी

❖ श्याम सुंदर महतो जीक विचार धार्मिक छेतरे हइ - नास्तिक

❖ श्याम सुंदर महतो जीक विचार राजनीतिक छेतरे हइ - कम्यूनिस्ट

❖❖❖

Scanned with OKEN Scanner

15. विश्वनाथ प्रसाद 'नागर'

- विश्वनाथ प्रसाद जीक जनम बछर हइ- 7 जनवरी, 1939 (देहांत : 15 march 2025) Holi
- विश्वनाथ प्रसाद जीक जनम ठांव हइ- भुदा गांव, धनबाद
- विश्वनाथ प्रसाद जीक बापेक नाम हइ- जादु रवानी
- विश्वनाथ प्रसाद जीक मायेक नाम हइ- फूलमनी देवी
- विश्वनाथ प्रसाद जी कते तक पढइल रहथ- इंटर
- विश्वनाथ प्रसाद जीक उपनाम हइ - नागर
- विश्वनाथ प्रसाद जी की काम करे हलथ - खेती-बारी
- विश्वनाथ प्रसाद नागर जीक कृति -

  -खइयाम तोर मधुरगीत (खइयाम के गजलेक खोरटा अनुवाद) 2004
  (अग्नि पुत्र) -सुलकसाय (खण्ड काव्य) 2005
  -शेष पर्व-हिंद कविताओं का संग्रह
  -झींगाफूल (गीत संगरह)
  -झारखण्ड आन्दोलन सकारात्मक पहलुओ की पृष्ठभूमि और मुक्ति आन्दोलन
  -रांगालाठी (कविता संगरह) - 1961-69
  -झारखण्ड के विकास का चरित्र और भूमि पुत्रों की आकांक्षा
  (छिंडल) -छिंडल पाता (कबिता संगरह) - 1970 के बाद कविताञ
  -दक्षिण बिहार को लोक भाषा खोरठा (हिन्दी लेख)

- नागर जी कोन प्रवृति कर कबि हथिन - छायावादी
- नागर जीक 1961 से 1969 तइक के कबिता कोन किताबे छपल हइ - रांगा लाठी
- रांगा लाठी कबिता संगरह किताबे कते कबिता हइ- 50
- नागर जी किनखर फारसी गजल 'रूबाइ' के खोरठाञ उल्था (अनुवाद) "खइयाम तोर मधुरगीत" में करलथिन- खइयाम
- नागर जीक हिन्दी लेख 'दक्षिणी बिहार की लोक भाषा खोरठा' कोन पतरिकाञ परकासित भेल रहइ - दैनिक आवाज (7 जून, 1992)
- नागर जीक 'जाउ जिनगी पुरस्कार' कोन बछर मिलल रहइ- 2010
- सुलकसाय के अरथ की हइ- गुदडी के लाल, अग्नि पुत्र
- सुलकसाय खंड काइबे महाभारत के कोन पात्र पर आधारित हइ- कर्ण
- नागर जीक कोन कृति परकासित नाञ भेल हइ- झींगा फूल
- नागर जीक हिन्दी लेख "छोटानागपुर के घर आंगन की बोली खोरठा" कोन पतरिकाञ पाकासित भेल हइ - दैनिक आवाज, 1992
- नागर जी स्थापना करलथिन- खोरठा साहित समिति, खोरठा साहित अकादमी (1957) 'राँची आकाशवाणी'

❖❖❖

* खोरठा भाषाक लोकसाहित एक विवेचन (Hindi में)

Jssc with Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner

16. चितरंजन महतो 'चित्रा'

- चितरंजन महतो चित्रा जीक जनम बछर हइ- **6 जनवरी, 1946**
- चितरंजन महतो चित्रा जीक जनम ठांव हइ- **लारी, रामगढ़**
- चितरंजन महतो जीक उपनाम की हलइ- **'चित्रा'**
- चितरंजन महतो जीक मायेक नाम हइ-**धनिया देवी**
- चितरंजन महतो जीक बापेक नाम हइ-**घनेनाथ महतो**
- चित्रा जीक जनीक नाम हइ - **सावित्री देवी**
- चित्रा जीक पहिल कविताक की रहइ - **समर के उसपार**
- चित्रा जीक परमुख कृति-
  - **हामर राइज हामर सरकार (एकांकी)**
  - **रजरप्पा जलप्रपात (यात्रा वृतांत)**
  - **जिनगीक टोह (पहिल खोरठा उपनियास)**
  - **मायेक डाक (उपनियास)**
  - **छाँहईर (खोरठा कहानी संगरह)**
  - **महराइ (लोक महाकाव्य का संकलन)**
  - **गीता के गीत (कबिता संगरह), 1965**
- चितरंजन महतो चित्रा रिटायर कहिया भइलथिन आर कउन विद्यालय से
  - **31 जनवरी, 2006 उच्च विद्यालय, दाँतु, बोकारो**
- जखन चितरंजन महतो चित्रा जनम भइले से दिन कउन परब रहथ- **जीतिया परब**
- मेरे सपनों का भारत कउन पतरिका आर कहिया परकासित भइल रहथ - **शाख पत्रिका, 1984**
- चित्रा जीक हिन्दी उपन्यास जकर परकासन नाइ भलइ-
  - **माँ की पुकार**
  - **जलतरंग**
  - **जीवन की खोज में राजेश**
- चित्र जी कउन बछर मेटरिक पास करल रहथ- **1960**
- चित्रा जी कउन बिसय से बी.ए. आर एम. ए. करलथिन- **भूगोल**
- चितरंजन महतो चित्रा जीक श्रीनिवास पानुरी स्मृति साहित्य समान मिललइ - **2021**

❖❖❖

Scanned with OKEN Scanner

17. महेन्द्रनाथ गोस्वामी

- महेन्द्रनाथ गोस्वामी जीक जनम बछर हइ - 3 अप्रैल, 1955
- महेन्द्रनाथ गोस्वामी जीक जनम ठांव हइ- निमिया घाट गांव, डुमरी, गिरिडीह
- महेन्द्रनाथ गोस्वामी जीक उपनाम हइ - सुधाकर
- सुधाकर जीक बापेक नाम हइ - भोलानाथ गोस्वामी
- सुधाकर जीक मायेक नाम हइ - भानु देवी
- सुधाकर जीक कृतियां-
  - डहरेक दावेदार (खोरठा लघु उपन्यास)
  - ओंगठा (खोरठा खण्ड काव्य)
  - डेगें-डेगें कांटा (खोरठा कहानी संकलन)
  - जोंक (खोरठा एकांकी संगरह)
  - पोहा (बालगीत संगरह)
  - लाल कोठी (खोरठा उपन्यास)
- सुधाकर जोक उपलब्धियाँ :
  - नाट्य प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार, 2002 (अभिनव कला संगम, बिहार द्वारा)
  - कथा संगम पुरस्कार, 2006 (कला संस्कृति खेल कूद एवं युवाकार्य विभाग झारखण्ड सरकार द्वारा)
  - सोसायटी फॉर हिल एरिया डेवलपमेंट सम्मान 2010
  - खोरठा रत्न, 2011
  - श्रीनिवास पानुरी, खोरठा प्रबुद्ध सन्मान, 2016
  - श्रीनिवास पानुरी स्मृति सम्मान, 2017
  - अखड़ा सम्मान, 2017

❖❖❖

Jssc with Anand (YouTube)

Scanned with OKEN Scanner